केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 243 रविवार 29 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पीएम मोदी ने किया एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन,

नोयडा (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। हालांकि, अभी यहां केवल दिन में ही फ्लाइट्स का संचालन होगा और बाद में धीरे–धीरे चरणबद्ध तरीके से घरेलू सहित इंटरनेशनल उड़ानें शुरू की जाएंगी। फ्लाइट्स का संचालन पूरी तरह से शुरू होने के बाद जेवर एयरपोर्ट भारत का ही नहीं, बल्कि एशिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन जाएगा है। लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से बने जेवर एयरपोर्ट की सालाना क्षमता करीब 7 करोड़ यात्रियों की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी जो युद्ध चल रहा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया में समस्याएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में हम सभी को सबसे ज्यादा चिंता अपने देश की करनी चाहिए और यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी शक्ति है। इस विषय पर मैंने संसद में भी चर्चा की और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग भी यही विचार विमर्श किया। कहा कि किसी भी देश के लिए एयरपोर्ट केवल एक आम सुविधा नहीं होता, बल्कि प्रगति की उड़ान का प्रतीक होता है। 2014 से पहले देश में केवल 74 एयरपोर्ट थे, आज ये संख्या बढ़कर 160 से ज्यादा हो गई है। आज देश के छोटे शहरों तक भी कनेक्टिविटी पहुंच रही है। कहा, कि पिछले एक महीने से पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है और दुनिया कितनी चिंतित है, आप देख सकते हैं। युद्ध की वजह से भोजन, पेट्रोल, डीजल, गैस, कोयला और अन्य जरूरी चीजों पर असर पड़ा है। हमारा देश ऐसे संकट में भी अपने नागरिकों की ताकत के दम पर पूरी शक्ति से इस संकट से लड़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले करीब एक महीने के भीतर ही वेस्ट यूपी को विकास के चार बड़े प्रोजेक्ट मिल गए हैं। सबसे पहले ग्रेटर नोएडा में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना हुई। इसके बाद दिल्ली से मेरठ तक रैपिड ट्रेन का तोहफा मिला। तीसरे नंबर पर मेरठ को मेट्रो मिली और आज जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन हो रहा है। कहा कि समाजवादी पार्टी ने नोएडा को लूट का एटीएम बना लिया था। जैसे ही उत्तर प्रदेश के अंदर से समाजवादी पार्टी की विदाई हुई, जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास हो गया और आज उद्घाटन भी हो रहा है।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट देश के विकास में नई बुलंदियां जोड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर सोच, हर कदम और हर नजरिया देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश बनता जा रहा है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनियाभर में इस समय तेल की कीमतों से हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे कठिन समय में पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्साइज ड्यूटी घटाकर देश की जनता को संकट से उबारा है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल पुलिस ने शनिवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस नेता व पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को सितंबर 2025 में हुए जनरेशन जेड विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों से जुड़े गैर इरादतन हत्या और आपराधिक लापरवाही के मामले में गिरफ्तार कर लिया। ये गिरफ्तारियां गृह मंत्रालय की औपचारिक शिकायत के बाद शुरू हुई जांच के क्रम में की गई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई पूर्व विशेष न्यायालय की न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए हो रही है।

आयोग की रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री ओली, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चंद्र कुबेर खापुंग को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। आयोग ने सिफारिश की है कि इन पर नेपाल की राष्ट्रीय दंड संहिता की धारा 181 और 182 के तहत आपराधिक लापरवाही का मामला दर्ज किया जाए, जिसमें 10 वर्ष तक की कैद का प्रविधान है।

सितंबर 2025 में नेपाल में युवा–प्रधान जनरेशन जेड आंदोलन ने जोर पकड़ा था। शुरू में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह प्रदर्शन जल्द ही देशव्यापी हो गया। 8 सितंबर को काठमांडू समेत विभिन्न शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी (कुल आंदोलन में देशभर में मरने वालों की संख्या 70 से अधिक बताई जाती है)।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग किया, जिसमें लाइव गोलीबारी शामिल थी। इन घटनाओं के बाद केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई थी और उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

एक नजर

ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचला, मौके पर मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना परसा चौराहा, थाना पैकोलिया क्षेत्र में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान कूप नगर ग्रांट, थाना खोड़ारे निवासी गोविंद वर्मा (लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गोविंद वर्मा अपने साढ़ू के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब वह परसा चौराहा पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि गोविंद वर्मा की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

थाना पैकोलिया के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। मृतक गोविंद वर्मा विवाहित थे और उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक 10 वर्षीय बेटी भी है।

पेड़ गिरने से महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज क्षेत्र में आई तेज आंधी ने भारी तबाही मचाई। इस आंधी के कारण एक महिला की जान चली गई, वहीं एक गरीब दुकानदार की गुमटी पूरी तरह नष्ट हो गई। कठार जंगल ग्राम में कैलाशावती उम्र 65 वर्ष पत्नी रामनयान शाम को रामपुर चौराहे से सब्जी खरीदकर घर लौट रही थीं। घर से मात्र 100 मीटर पहले तेज आंधी में एक विशाल चिलबिल का पेड़ उन पर गिर गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उन्हें बस्ती जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में ही कैलाशावती की मृत्यु हो गई। उनके पीछे दो पुत्र चौथी और सौकी हैं।

ट्रक–बाइक भिड़ंत में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बलैडीहा पेट्रोल पंप के पास बस्ती–रुधौली मार्ग पर एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सोनहा थाना क्षेत्र के रुद्रपुर गांव निवासी 24 वर्षीय मनीष पुत्र हरिशंकर अपने दो साथियों के साथ शुक्रवार रात बाइक से बस्ती की ओर जा रहे थे। बलैडीहा पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। मनीष की मौके पर ही मौत हो गई।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने रद्द किया आउटसोर्सिंग का ठेका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंडल के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्मिक उपलब्ध कराने की निविदा प्रक्रिया में अनियमितता पाए जाने पर संयुक्त शिक्षा निदेशक ने बड़ी कार्रवाई की है। महिस इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड का अनुबंध तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

कार्यालय आदेश के अनुसार, जेम पोर्टल के माध्यम से प्रकाशित निविदा के तहत महिस इन्फोटेक का चयन किया गया था। हालांकि, पूर्व सेवा प्रदाता एडवेंट इन्फोमैक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर आयुक्त, बस्ती मंडल के निर्देश पर जांच कराई गई।जांच समिति ने 19 मार्च 2026 को हुई बैठक में पाया कि संबंधित फर्म द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज निविदा की शर्तों और शासनादेश के अनुरूप नहीं थे। इस पर समिति ने अनुबंध निरस्त करने का निर्णय लिया। आयुक्त कार्यालय ने भी 23 मार्च 2026 को निविदा रद्द कर पुनः प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए थे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने अपने आदेश में कहा है कि अब जेम पोर्टल के माध्यम से नई निविदा आमंत्रित की जाएगी। तब तक, मंडल के बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपदों के विद्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय भुगतान महिस इन्फोटेक द्वारा ही किया जाएगा, ताकि शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो।

आउट ऑफ स्कूल प्रशिक्षण सम्पन्न, बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया बीआरसी सभागार में नोडल अध्यापकों का तीन दिवसीय शारदा प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद की देखरेख में शनिवार को संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना था। इसमें परिषदीय विद्यालयों के कुल 159 नोडल अध्यापकों ने भाग लिया। बीईओ ने कहा कि शारदा कार्यक्रम के तहत आउट ऑफ स्कूल बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें आयु–संगत कक्षा में नामांकित करना और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना विभागीय जिम्मेदारी है। कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए शिक्षकों को संवेदनशीलता के साथ धरातल पर कार्य करना होगा।प्रशिक्षण के दौरान नोडल अध्यापकों को आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान करने, उनके सर्वेक्षण की प्रक्रिया समझने और उन्हें विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय में नामांकित कर शिक्षा से जोड़ने की रणनीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) मनोज मिश्र, संतोष कुमार शुक्ल, राजीव शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र और शिक्षक डॉ श्री नारायन मिश्र ने शिक्षकों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षकों ने सर्वेक्षण प्रक्रिया, बच्चों की शैक्षिक स्थिति का आकलन करने और उन्हें विद्यालयी शिक्षा में प्रभावी ढंग से शामिल करने के तरीकों पर विशेष जोर दिया। बताया कि बच्चों के लर्निंग गैप को भरने के लिए विशेष ब्रिज कोर्स और गतिविधि आधारित शिक्षण अनिवार्य है। शारदा पोर्टल पर डेटा फीडिंग और बच्चों के बेसलाइन मूल्यांकन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। बच्चों को स्कूल के वातावरण में ढालने के लिए उनके मनोवैज्ञानिक संवेदीकरण पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

जमीनी रंजिश में दलित को मारा पीटा, एसपी से न्याय दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के करनपुर निवासी दलित रामयज्ञ ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पुरानी रंजिश को लेकर घारी की दीवाल तोड़ने, जाति सूचक गालियां देने आदि के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में रामयज्ञ ने कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर गत 26 मार्च को गांव के राधेश्याम, पवन, घनश्याम पुत्रगण रामशब्द, रजनीश पुत्र घनश्याम इन्द्र देव, रमा कान्त पुत्रगण केशव प्रसाद, सुनील मिश्र पुत्र चन्द्रमौल आदि लोगों ने उसके सहन पर आकर घारी की दीवाल को कुदाल फावडा सब्बल से तोड़ने लगे। मना करने मारा पीटा तथा जाति सूचक शब्द से गाली देने लगे। यह सुनकर उनके भाई श्रीराम आये तो उक्त लोगों ने उसके भाई को मारा पीटा। उसके भाई हृदयराम की पत्नी बिन्दू को घनश्याम और रजनीश ने बुरी तरह से मारा पीटा। 112 नम्बर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस को उक्त लोग मौके पर उपस्थित मिले । पुलिस के कहने पर वह कप्तानगंज थाने पर पहुंचा किन्तु पुलिस ने दोषियों के विरूद्ध न तो कोई कार्रवाई किया न मुकदमा ही दर्ज किया। उसने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार एसपी से लगाया है।

युद्ध जारी: ईरान ने अमेरिकी जहाज पर किया हमला

तेल अबीब/ तेहरान (आभा)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान की सेना ने एक बार फिर से अमेरिकी जहाज को निशाना बनाया है। यह जहाज अमेरिकी सेना को लॉजिस्टिक मुहैया करवाने में मदद करता था। ईरानी सेना ने शनिवार कहा कि उसने ओमान के सलालाह बंदरगाह के पास एक अमेरिकी लॉजिस्टिक्स जहाज पर हमला किया। ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने सरकारी टीवी पर जारी एक बयान में कहा, 'आक्रामक अमेरिकी सेना को सहायता पहुंचाने वाले एक लॉजिस्टिक्स जहाज को, ओमान के सलालाह बंदरगाह से काफी दूरी पर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सशस्त्र सेनाओं द्वारा निशाना बनाया गया।28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुए ईरान युद्ध को आज ठीक एक महीना हो गया है। अटैक के शुरुआती घंटों में ही ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत आईआरजीसी के कई टॉप कमांडर और सीनियर लीडरशिप मार दिए गए।

दबंग रोक रहे हैं दलित का शौचालय निर्माण, डीएम से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को भीम युवा वाहिनी संगठन के मण्डल अध्यक्ष अवनीश प्रभात के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि नगर थाना क्षेत्र के छबैला गांव में अनुसूचित जाति के नन्दलाल पुत्र रामकिशुन के पूर्वजो के काबिज जमीन पर पूर्व में बने चरनी को गिराकर उसी स्थान पर शौचालय निर्माण को रोकने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया।

–भीम युवा वाहिनी संगठन ने सौंपा ज्ञापन, दिया आन्दोलन की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने के बाद भीम युवा वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव ने कहा कि नन्दलाल पुत्र रामकिशुन के गाटा संख्या–169 मि० आबादी के रूप में दर्ज है किन्तु गाँव के ही सोनी सिंह पत्नी शिवेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा शौचालय निर्माण को रोका जा रहा है जबकि लेखपाल ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अवरोध उचित नहीं है। कहा कि न्याय न मिला तो एक सप्ताह के बाद संगठन आन्दोलन को बाध्य होगा।

भीम युवा वाहिनी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद, मण्डल अध्यक्ष अवनीश प्रभात कहा कि नन्दलाल को शौचालय का निर्माण कराने दिया जाय और रोकने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय। अन्यथा की स्थिति में संगठन आन्दोलन को बाध्य होगा। कहा कि जानकारी मिली है कि विपक्षी से मिलकर स्थानीय पुलिस ने पीडित नन्दलाल को पकड़कर थाने पर बैठा लिया जिनकों जमानत कराकर छुडाया गया।

ज्ञापन देने के दौरान नन्दलाल, प्रमोद, बजरंगीलाल, छाया, रामधनी, इन्दू, छेदी, गीता, लालजी, संदीप कुमार, सूरज कुमार, संगीता, शकुन्तला, अंकुश कुमार, सुषमा, सितावा, राजवंत कुमार, हरीराम आदि शामिल रहे।

बूथ की मजबूती के लिये भाजपा ने शुरू किया प्रशिक्षण वर्ग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण वर्ग शनिवार को जनपद के छह मंडलों हरदी, गनेशपुर, बस्ती नगर, बस्ती सदर, रुधौली और कुदरहाकृमें विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ। पहले दिन सभी मंडलों में कुल चार सत्र संपन्न हुए, जबकि शेष तीन सत्र रविवार को आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल सभी कार्यकर्ताओं के लिए रात्रि प्रवास अनिवार्य रखा गया है, जिससे संगठनात्मक अनुशासन और आपसी समन्वय को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

प्रशिक्षण वर्ग में जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र सहित प्रेम सागर त्रिपाठी, यशकान्त सिंह, राम सिंगार ओझा, अष्टभुजा शुक्ल, राजेन्द्र तिवारी, राकेश श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश शुक्ल, आनंद सिंह कलहंस, राजेन्द्र गौड़, दयाराम चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, दिलीप पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय, प्रदीप निषाद एवं संजय चौधरी ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने भाजपा का इतिहास, वैचारिक अधिष्ठान, कार्य विस्तार की रणनीति, कार्य पद्धति, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।प्) तथा केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बूथ प्रबंधन के विषय पर विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि "भाजपा की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में निहित है। यदि प्रत्येक बूथ सशक्त और सक्रिय होगा, तो संगठन अपने आप मजबूत होगा और चुनावी सफलता सुनिश्चित होगी।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने–अपने बूथों पर मतदाता सूची का सूक्ष्म अध्ययन करें, नए मतदाताओं को जोड़ें तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाएं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त करने के साथ–साथ उन्हें आधुनिक तकनीकों से भी जोड़ना है, ताकि बदलते समय में संगठन की कार्यशैली और अधिक प्रभावी बन सके। अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण और अनुशासन के साथ संगठन के विस्तार में योगदान देने का आह्वान किया।

एक रक्तदान माँ के नाम अभियान में 25 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को सुनीता देवी सेवा संस्थान द्वारा "एक रक्तदान माँ के नाम" अभियान की कड़ी में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन अस्पताल चौराहे के निकट किया गया। शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान किया। इस शिविर का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना एवं जरूरतमंद मरीजों की सहायता हेतु अधिक से अधिक रक्त संग्रह करना रहा।

–अंगवस्त्र, पौध देकर सम्मानित किये गये रक्तदाता

संस्थान के शिवशंकर गुप्ता, मोहन्ती गुप्ता, विशाल गुप्ता, शिवानी गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में उपस्थित सभी रक्तदाताओं ने मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्थान के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।शिविर के आयोजन में चिकित्सा टीम का विशेष सहयोग रहा। मुख्य रूप से विकास गुप्ता, पल्लव श्रीवास्तव, अशोक तिवारी, आशुतोष पाण्डेय, अभिषेक वर्मा, राजकुमार पाण्डेय, रोहन तिवारी, हर्ष कसौधन, वैष्णव पाण्डेय, अमित श्रीवास्तव, जावेद अहमद, राहुल कुमार गुप्ता, संजू गुप्ता, शिवानी गुप्ता के साथ ही कुल 25 लोगों ने रक्तदान किया।

बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक के शिवम मिश्र, मुकेश गौतम, विजय शुक्ल, जितेन्द्र आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 मार्च 2026 रविवार

सम्पादकीय

युद्ध के एक माह और अमेरिका

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुए ईरान युद्ध को एक महीना हो गया है। अटैक के शुरुआती घंटों में ही ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत आईआरजीसी के कई टॉप कमांडर और सीनियर लीडरशिप मार दिए गए। इसके बाद मोहम्मद खामेनेई जैसे नए नेताओं की नियुक्ति भी हमलों की चपेट में आई। लेकिन इन भारी नुकसानों के बावजूद ईरान आज भी फ्रंटफुट पर नजर आ रहा है। तेहरान की ओर से मिसाइल हमले जारी हैं, सेनाएं सक्रिय हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए है।

ईरान ने दिखाया कि मजबूत कमांड और सटीक युद्धकौशल से वह लंबे समय तक टिक सकता है। एक महीने में हजारों मौतें हुईं लेकिन तेहरान का शासन ढहने के बजाय लड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कहीं ना कहीं बैकफुट पर दिख रहे हैं। शुरुआत में उन्होंने शरिजीम चेंजश का संकेत दिया और ईरान को पूरी तरह तबाह करने का दावा किया। लेकिन अब वे बार–बार होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की डेडलाइन बढ़ा रहे हैं और ईरान के एनर्जी प्लांट्स पर हमले टाल रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के बिजली और ऊर्जा ठिकानों को तबाह करने की धमकी देने के बाद पहले जिस तरह पांच दिन तक इन ठिकानों पर हमले टालने की घोषणा की और अब कहा कि कुछ और दिन की मोहलत दे रहे हैं, उससे यही लगता है कि वे समझौते के मूड में आ गए हैं। हालांकि रह–रहकर वे ईरान को धमकाते भी हैं, पर उन्होंने जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए भी समयसीमा बढ़ा दी, उससे यही लगता है कि वे किसी तरह इस युद्ध से निकलना चाह रहे हैं। उनके ऐसे संकेतों के बाद भी यह कहना कठिन है कि अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच छिड़ा युद्ध थम जाएगा।

इसका कारण यह है कि ईरान बिना इस भरोसे अपने कदम पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं कि उस पर फिर हमला नहीं किया जाएगा। जिस तरह ईरान अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हो सकता, वैसे ही अमेरिका और इजरायल के लिए भी उसकी शर्तें मानना संभव नहीं।

वास्तव में इसी कारण युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। जहां इजरायल ईरान को निशाना बनाने में लगा हुआ है, वहीं ईरान उस पर हमले करने के साथ ही अपने पड़ोसी देशों पर मिसाइलें दाग रहा है। यह स्वाभाविक ही है कि इससे इन देशों का धैर्य जवाब दे रहा है। ये देश इसलिए अधिक परेशान हैं कि ईरान उनके नागरिक और ऊर्जा ठिकानों को भी निशाना बना रहा है।

यदि खाड़ी के देशों ने ईरान पर जवाबी हमले करने शुरू किए तो युद्ध एक नए मोड़ पर पहुंच जाएगा। निःसंदेह ऐसा न तो ट्रंप चाहेंगे और न ही विश्व के अन्य देश, क्योंकि ऊर्जा संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी चपेट में भारत समेत अन्य एशियाई देश ही नहीं, यूरोप और अमेरिका भी आ गए हैं।

इस ऊर्जा संकट के लिए प्रत्यक्ष रूप से तो ईरान जिम्मेदार है, जिसने होर्मुज जल मार्ग बाधित कर रखा है, पर परोक्ष जिम्मेदार अमेरिका ही है, जिसने बिना कुछ सोचे–समझे इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। ईरान ने अपनी जवाबी कार्रवाई से न केवल अमेरिका–इजरायल को तंग किया है, बल्कि पड़ोसी देशों को भी। यदि ईरान और अधिक समय तक जवाबी कार्रवाई करने में समर्थ बना रहता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति को अपना रुख और नरम करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है।

इस स्थिति में उनका प्रभाव कम ही होगा–न केवल अमेरिका में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी। ध्यान रहे कि विश्वव्यापी ऊर्जा संकट के लिए वही जिम्मेदार माने जा रहे हैं और घरेलू स्तर पर भी उनका विरोध बढ़ रहा है। ईरान युद्ध के पहले उन्होंने जिस तरह वेनेजुएला पर हमला किया और अपनी मनमानी टैरिफ नीति से अपने मित्र देशों समेत दुनिया भर को तंग किया, उसके चलते उनकी विश्वसनीयता और साख पहले ही कम हो चुकी है।

प्रतिभा और अवसर के बीच पुल बनती अभ्युदय योजना

–अखिल कुमार यादव–

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में गिनी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के वर्ष 2025 के परिणामों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा केवल संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसे सही दिशा, मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता होती है। इस बार के परिणामों में उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से जुड़े कई अभ्यर्थियों की सफलता ने इस पहल को नई पहचान दिलाई है। आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले इन छात्रों की उपलब्धि यह संकेत देती है कि यदि सही मंच उपलब्ध कराया जाए तो छोटे कस्बों और गांवों की प्रतिभाएं भी देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच सकती हैं। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी लंबे समय तक बड़े शहरों की महंगी कोचिंग संस्थाओं के इर्द–गिर्द केंद्रित रही है। दिल्ली, प्रयागराज या अन्य महानगरों में जाकर वर्षों तक तैयारी करना हर छात्र के लिए संभव नहीं होता। कोचिंग की ऊंची फीस, रहने–खाने का खर्च और संसाधनों की कमी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में अनेक प्रतिभाशाली छात्र अपनी योग्यता के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं की दौड़ में पीछे रह जाते हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण कोचिंग उपलब्ध कराना था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य केवल कोचिंग उपलब्ध कराना नहीं था, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को उन छात्रों की पहुंच तक ले जाना था जो संसाधनों के अभाव के कारण बड़े शहरों में जाकर पढ़ाई नहीं कर सकते। योजना के माध्यम से राज्य सरकार ने यह प्रयास किया कि प्रतिभा और अवसर के बीच मौजूद आर्थिक और सामाजिक अंतर को कम किया जा सके। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणामों में अभ्युदय योजना से जुड़े कई छात्रों की सफलता ने इस पहल की उपयोगिता को और स्पष्ट कर दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना से तैयारी करने वाले छह अभ्यर्थियों ने इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इनमें से विमल कुमार ने ऑल इंडिया रैंक 107 हासिल की, जबकि विपिन देव यादव ने 316वीं रैंक प्राप्त की। इसके अलावा मानसी ने 444वीं रैंक, महेश जायसवाल ने 590वीं रैंक, अदिति सिंह ने 859वीं रैंक और तनीषा सिंह ने 930वीं रैंक प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि सीमित संसाधनों के बावजूद सही मार्गदर्शन मिलने पर बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इन सफलताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सिविल सेवा परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। वर्ष 2025 की परीक्षा के लिए लाखों उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से केवल कुछ ही अभ्यर्थी अंतिम सूची तक पहुंच सके। प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की लंबी प्रक्रिया से गुजरने के बाद अंततः चयनित उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और अन्य केंद्रीय सेवाओं के लिए अनुशंसित किया जाता है। इस कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच अभ्युदय योजना से जुड़े छात्रों की सफलता यह दर्शाती है कि सरकारी स्तर पर किया गया यह प्रयास अब वास्तविक परिणाम देने लगा है।

अभ्युदय योजना की विशेषता यह है कि इसमें छात्रों को केवल निःशुल्क कोचिंग ही नहीं दी जाती, बल्कि उनकी संपूर्ण तैयारी पर ध्यान दिया जाता है। विद्यार्थियों को विषयवार अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट, मॉक इंटरव्यू और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। कई स्थानों पर प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी और अनुभवी शिक्षाविद स्वयं छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने के लिए समय निकालते हैं। इससे छात्रों को न केवल पाठ्यक्रम की समझ मिलती है बल्कि प्रशासनिक सेवाओं की वास्तविक चुनौतियों के बारे में भी जानकारी मिलती है। योजना के अंतर्गत कक्षाएं ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से संचालित की जाती हैं, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र भी पढ़ाई से जुड़ सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्रों को व्याख्यान, अध्ययन सामग्री और टेस्ट उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे वे आधुनिक शिक्षण संसाधनों का उपयोग करते हुए अपनी तैयारी को बेहतर बना सकते हैं। अभ्युदय योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसकी कक्षाएं केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में अभ्युदय कोचिंग केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां हजारों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। जिला स्तर पर उपलब्ध इन कोचिंग केंद्रों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि छात्रों को अपने ही जिले में रहकर गुणवत्तापूर्ण कोचिंग मिल जाती है। इससे उन्हें बड़े शहरों में जाकर रहने और पढ़ाई करने के लिए होने वाले अतिरिक्त खर्च से भी राहत मिलती है।

ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए यह योजना विशेष रूप से महत्वपूर्ण साबित हुई है। राज्य के कई गांवों और छोटे कस्बों में ऐसे छात्र हैं जिनके पास प्रतिभा तो है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वे बड़े सपने देखने से भी हिचकते थे। अभ्युदय योजना ने ऐसे छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है और उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि वे भी सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं। इन सफल अभ्यर्थियों की कहानियां भी प्रेरणादायक हैं। कई छात्र साधारण परिवारों से आते हैं, जिनके माता–पिता खेती या छोटे व्यवसाय से जुड़े हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने निरंतर मेहनत और अभ्युदय योजना से मिले मार्गदर्शन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। यह उदाहरण बताता है कि यदि छात्रों को सही दिशा और अवसर मिले तो वे अपनी परिस्थितियों से ऊपर उठकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। इस योजना का प्रभाव केवल कुछ सफल परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल भी बना रही है। जब किसी गांव या कस्बे का छात्र सिविल सेवा परीक्षा में सफल होता है तो वह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। उसकी सफलता अन्य छात्रों को भी पढ़ाई के प्रति गंभीर बनने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करती है।

पिछले कुछ वर्षों में अभ्युदय योजना से पढ़ने वाले कई छात्रों ने सिविल सेवा और राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह योजना धीरे–धीरे एक मजबूत शैक्षणिक मंच के रूप में विकसित हो रही है। यदि इसे और बेहतर संसाधनों तथा प्रभावी प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाया जाए तो आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव और अधिक व्यापक हो सकता है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अभ्युदय योजना जैसे कार्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं में अवसरों की समानता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिल रहा है बल्कि प्रशासनिक सेवाओं में विविध सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभाओं को भी स्थान मिल रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी सकारात्मक संकेत है। हालांकि योजना के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि सभी जिलों में कोचिंग की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। कुछ स्थानों पर संसाधनों और विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी भी देखी गई है। इसके अलावा सीटों की संख्या सीमित होने के कारण कई योग्य छात्र इस योजना का लाभ नहीं उठा पाते। यदि इन चुनौतियों को दूर किया जाए तो यह योजना और अधिक प्रभावी साबित हो सकती है। फिर भी, हालिया यूपीएससी परिणामों के संदर्भ में देखा जाए तो अभ्युदय योजना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सही नीति और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव संभव हैं। यह पहल केवल एक कोचिंग कार्यक्रम नहीं बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आज जब अभ्युदय योजना से पढ़कर कई युवा देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश कर रहे हैं, तो यह कहा जा सकता है कि यह योजना हजारों सपनों को नई उड़ान दे रही है। यदि आने वाले समय में इस योजना का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जाता है तो निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में ऐसे अधिकारी निकलेंगे जो न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाएंगे बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व भी करेंगे।

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारम्परिक भ्रांतियाँ

– डॉ. शैलेश शुक्ला–

भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी, ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं।

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामरू गरीबी और भुखमरीरू जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है।

हर साल लाखों युवा पढ़–लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता। सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60–70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत,

ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी। शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी–झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या कृ ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है। जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं। हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक–एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें। यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं। अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि–मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद कृ इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए। समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं।

आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन कृ बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता–पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच–छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है। कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक–दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा। सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं, बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है। अगर आप दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें संस्कारवान बनाते हैं, तो वे दो बच्चे दस बच्चों से बेहतर देखभाल करेंगे। दूसरी तरफ, अगर पाँच–छह बच्चे हों और किसी को भी अच्छी शिक्षा या संस्कार न मिले, तो वे सब मिलकर भी बुढ़ापे में सहारा नहीं बन पाएँगे। आज वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं जिनके चार–पाँच बच्चे हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं। ईश्वर ने इंसान को बुद्धि भी दी है। अगर हम बुद्धि का उपयोग नहीं करेंगे तो यह ईश्वर की देन का अपमान होगा। ईश्वर ने हमें सोचने–समझने की शक्ति दी है ताकि हम सही फैसले ले सकें। जब कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक हालत जानते हुए भी बिना सोचे–समझे बच्चे पैदा करता रहता है और फिर उन बच्चों को भूखा, अशिक्षित और बीमार रखता है कृ तो क्या यह ईश्वर की सेवा है? यह तो उन मासूम बच्चों के साथ अन्याय है। असली धर्म यह है कि जितने बच्चे पैदा करो, उन सबकी अच्छे से परवरिश करो। अगर यह संभव नहीं, तो संयम रखना ही सबसे बड़ा धर्म है।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह अफवाह बहुत फैली हुई है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपायों से शरीर कमजोर हो जाता है, काम करने की ताकत खत्म हो जाती है या और भी कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं। चिकित्सा विज्ञान ने बार–बार यह सिद्ध किया है कि आधुनिक परिवार नियोजन के तरीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। नसबंदी एक छोटी सी प्रक्रिया है जिसमें कोई खतरा नहीं होता। गर्भनिरोधक गोलियाँ और अन्य उपाय डॉक्टर की सलाह से लेने पर बिल्कुल सुरक्षित हैं। उलटा, बार–बार गर्भधारण से महिलाओं के शरीर को बहुत ज्यादा नुकसान होता है। कम उम्र में बार–बार माँ बनना महिलाओं में कमजोरी, खून की कमी और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

जनसंख्या नियंत्रण कोई कठिन काम नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति चाहिए। सबसे पहले शिक्षा का प्रसार जरूरी है, खासकर लड़कियों की शिक्षा। जो परिवार शिक्षित होते हैं, वे खुद समझ जाते हैं कि छोटा परिवार ही सुखी परिवार है। परिवार नियोजन के साधनों को गाँव–गाँव तक पहुँचाना जरूरी है। सरकार को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए जो धार्मिक भ्रांतियों को दूर करें। महिला सशक्तिकरण भी जनसंख्या नियंत्रण में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होती हैं तो वे अपने शरीर और अपने परिवार के बारे में सही फैसले लेती हैं।

वैश्विक संकट और ऊर्जा संरक्षण

–योगेश कुमार गोयल–

आज जब विश्व एक बार फिर भू–राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार–चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल–डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे–छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे–छोटे बदलावों से ही संभव है।

नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के बाद बॉर्डर पर बढ़ी चौकसी, संदिग्धों पर विशेष नजर

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल की राजधानी काठमांडू में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के बाद भारत–नेपाल की संवेदनशील सोनौली सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा पर आने–जाने वाले हर व्यक्ति और वाहनों की सघन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि को लेकर अलर्ट मोड में हैं।

सोनौली सीमा के साथ–साथ उन सभी कच्चे रास्तों और पगडंडियों पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है, जहां से आमतौर पर स्थानीय आवाजाही होती है। एसएसबी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम लगातार गश्त कर रही है। बताया जा रहा है कि नेपाल में राजनीतिक हलचल के मद्देनजर सीमा के रास्ते किसी भी प्रकार की अवैध आवाजाही या गतिविधि को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि हर व्यक्ति की पहचान की गहन जांच की जाए। संदिग्ध लगने पर तत्काल पूछताछ की जा रही है। वाहनों की भी सघन तलाशी ली जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, भारत–नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण सतर्कता बढ़ाना जरूरी है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सीमा क्षेत्र में स्थिति सामान्य है, लेकिन एहतियात के तौर पर चौकसी बढ़ाई गई है।भारत और नेपाल के बीच गहरे सामाजिक और आर्थिक संबंधों को देखते हुए इस तरह की घटनाओं का सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों पर पड़ता है। ऐसे में सोनौली सीमा पर सुरक्षा का सख्त होना स्वाभाविक माना जा रहा है। प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को दें। 22 वीं वाहिनी के सहायक कमांडेंट सी विवेक ने बताया कि एसएसबी अलर्ट है, वाहनों और हर आने जाने वालों की सघन जांच की जा रही है।

गैस सिलेंडर न मिलने पर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने गैस सिलेंडर की कमी के विरोध में प्रदर्शन किया। बार अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने बैनर लगाकर धरना दिया, नारेबाजी की और तहसील प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए ज्ञापन सौंपा।

बार अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने बुकिंग के बावजूद गैस सिलेंडर न मिलने पर तहसील प्रशासन और गैस एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं ने प्रशासन को 24 घंटे के भीतर सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। एडवोकेट नागेंद्र शुक्ला ने आरोप लगाया कि बुकिंग के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं और अधिवक्ताओं को भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि गैस आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। शुक्ला ने यह भी बताया कि बुकिंग के बाद डीएसी नंबर मिलने पर डिलीवरी का मैसेज आ जाता है, जबकि सिलेंडर मिलता ही नहीं। उन्होंने इस धांधली में तहसील प्रशासन की मिलीभगत का आरोप लगाया। अधिवक्ताओं ने सवाल उठाया कि वे गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लगें या तहसील में अपना काम करें। उन्होंने बताया कि सिलेंडर की कमी के कारण उनके घरों में चूल्हे पर खाना बनाने की नौबत आ गई है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए गए, तो उनके धरना–प्रदर्शन में और तेजी लाई जाएगी। सभी अधिवक्ताओं ने बार अध्यक्ष के नेतृत्व में तहसीलदार कर्ण सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने तहसीलदार को 24 घंटे के भीतर अधिवक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का अल्टीमेटम दिया।

नेपाल से डंडा नदी में बहकर आ रहा कचरा, संकट में अस्तित्व

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के पश्चिमी छोर पर बहने वाली डंडा नदी बीते दो दशक से हर गर्मी के मौसम की शुरुआत में अपने अस्तित्व से जूझने लगती है। मूल नदी भारतीय क्षेत्र के सोनौली सीमा से महज एक किलोमीटर पश्चिम फरेंदी तिवारी बाजार स्थल के पास भारत में प्रवेश करती है। लेकिन नदी के प्रवेश स्थल पर नेपाल के रुपन्देही जिला के प्रमुख कस्बा भैरहवा के कूड़े कचरे व कस्बा के तमाम नालों के पानी गिराए जाने से नदी की मूल जल धारा प्रदूषित व रुक जाती है। भारतीय क्षेत्र में इसी नदी पर वर्ष 1962 में निर्मित डंडा नहर प्रणाली नेपाल के कूड़े कचरे व नदी में उगे प्लावहों के बोझ से कराह उठाती है। नेपाल के भैरहवा के तमाम संगठन व नागरिक नदी में फेक जा रहे कूड़े कचरे का विरोध कर रहे हैं। भारतीय क्षेत्र के किसान भी नदी में बढ़ रहे प्रदूषण व नदी की हालत से चिंतित हैं। बावजूद इसके अस्तित्व की जंग लड़ रही नदी पर ना तो नेपाल प्रशासन संजीदा है और ना ही भारतीय प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल शुरू की गई है। इस संबंध में नौतनवा एसडीएम नवीन प्रसाद कहते हैं कि मामला गंभीर है। डंडा नदी में प्रदूषण व जल संकट को लेकर प्रशासन सतर्क है। नेपाल की ओर से आ रहे कचरे को लेकर संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर सफाई व जल संरक्षण अभियान चलाकर प्रभावी उपाय किए जाएंगे।

मां काली मंदिर की पिंडी को किया खंडित, ऊपर लगे स्टील की धातु चोरी– लोगों में आक्रोश

संवाददता–कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के ग्रामसभा खेसारी गिदहा स्थित मां काली देवी मंदिर के गर्भगृह में शुक्रवार रात्रि को अज्ञात लोगों ने पिंडी तोड़कर ऊपर लगी स्टील की धातु चोरी कर ली है। शनिवार सुबह सूचना पर पहुंची डॉयल 112 और कसया पुलिस जांच पड़ताल में जुट गयी। घटना के बाद गांव में आक्रोश व्याप्त हैं। पुलिस ने जल्द दोषियों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को समझाया। मिली जानकारी के मुताबिक, खेसारी गिदहा गांव स्थित मां काली मंदिर में बनी एक पिंडी को शुक्रवार की रात असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया।

सुबह पूजा करने पहुंचे मंदिर के पुजारी सोनू गिरी ने खंडित पिंडी देखकर ग्रामीणों को जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। गांव के सरेह बीच में बने काली माता का मंदिर में आसपास के ग्रामीण प्रतिदिन पूजा करते हैं।

घटना की सूचना पर डॉयल 112 और थानाध्यक्ष कसया आशुतोष सिंह मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली। घटना के बाद से गांव में आक्रोश व्याप्त हैं। ग्रामीणों ने दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने जल्द दोषियों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को समझाया।

लोगों का आरोप है कि आए दिन मंदिर के आसपास जुआड़ीयो का जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय ग्राम प्रधान रमाशंकर कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात दोषियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इस बाबत थानाध्यक्ष कसया आशुतोष सिंह ने की घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की जा रही है। प्राप्त तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पिंडी तोड़ने वाले की तलाश की जा रही है।

हर्षोल्लासपूर्वक मनी भजनानंदी संत सियाराम शरण की पुण्यतिथि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। सिद्धों एवं भजनानंदी संतों की पावन तपोभूमि अयोध्या में भजनानंदी संत सियारामशरण सखी बाबा की पुण्यतिथि हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई। सरयू तट स्थित सरयू कुंज मंदिर, वशिष्ठ कुंड दुराही कुआं परिसर में आयोजित कार्यक्रम में संत–महंतों एवं श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने संत सियारामशरण के तप, त्याग एवं सेवा–भाव का स्मरण करते हुए उन्हें युगपुरुष संत बताया। कहा कि लगभग पांच दशक पूर्व अयोध्या पधारे सखी बाबा ने सरयू तट पर आश्रम स्थापित कर संतों, वृद्धों, असहायों तथा गौ सेवा का जो अनुकरणीय कार्य प्रारंभ किया, वह आज भी सतत रूप से संचालित है। सरयू कुंज के वर्तमान महंत राममिलन शरण ने कहा कि महाराज जी सेवा के साक्षात प्रतिमूर्ति थे। उनका मानना था कि "मानव जीवन दुर्लभं हि" और "सेवा एव परम साधनम्" कृ सेवा के माध्यम से ही भगवत्प्राप्ति संभव है। उन्होंने सीमित संसाधनों में भी निरंतर सेवा करते हुए समाज को परोपकार एवं त्याग का अनुपम संदेश दिया।इस अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, सीताकांत सदन के महंत रामानुज शरण, परमहंस आश्रम के महंत गोविंद दास, महंत सत्येंद्र दास वेदांती, श्री रामकृष्ण मंदिर के महंत गणेशानंद दास, महंत संतोष दास, महंत उद्धव शरण, महंत वीरेंद्र दास तथा श्री राम आश्रम के महंत डॉ. जय रामदास सहित अनेक संत–महंत उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि प्रियांश दास समेत सैकड़ों शिष्य–परिकर एवं श्रद्धालुओं ने संत सियारामशरण सखी बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समूचा वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं संत–वाणी से गुंजायमान रहा।

बसपा का देवरिया में कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्नः 2027 चुनाव के लिए संगठन मजबूत करने पर जोर

संवाददाता–देवरिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन शनिवार को शहर के कामना रीजेंसी में आयोजित किया गया। इस बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरखार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय और समानता की भावना निहित है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कांशीराम के बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

मुख्य अतिथि ने कार्यकर्ताओं से भाईचारा बनाकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की, ताकि 2027 के चुनाव में पार्टी को सफलता मिल सके। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में पार्टी की सरकार ने प्रदेश में कई ऐतिहासिक कार्य किए थे, जिन्हें जनता आज भी याद करती है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद डॉ. बलिराम ने कार्यकर्ताओं को विरोधी दलों के हथकंडों से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, अनुशासन बनाए रखने और जनता के बीच सक्रिय रहने पर विशेष जोर दिया। रामशरण सिंह, कमलेश यादव, ज्ञान प्रकाश सिंह, राजेश राजभर और असगर अली सहित कई वक्ताओं ने भी बैठक को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रमोद आजाद, सुरेश चंद्र भारती, घनश्याम राही, कमलेश गौतम, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश गौतम, नितेश कुमार, गोविंद कुमार, ज्वाला प्रजापति, रविंद्र सिंह सैथवार और संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक का संचालन ऋषि कपूर एवं नितेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

रैंडम आधार पर सीमाई इलाकों में शुरू करें सैंपलिंग –डीएम

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के कुछ हिस्सों में बर्ड फ्लू फैलने को लेकर सीमाई इलाकों में अलर्ट है। इसके मद्देनजर डीएम संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बर्ड फ्लू से संबंधित जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। डीएम ने निर्देश दिया कि रैंडम आधार पर पहले सीमाई इलाकों में सैंपलिंग शुरू करें। डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से बर्ड फ्लू की स्थिति और रोग के रोकथाम के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में बर्ड फ्लू का कोई मामला अब तक प्रकाश में नहीं आया है। आसपास के जनपदों में भी स्थिति सामान्य है।

नेपाल के छापा, मोरंग सहित कुछ जनपदों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। हालांकि जनपद के सीमावर्ती जिलों नवलपरासी और रुपन्देही में बर्ड फ्लू की घटना अभी नहीं है। बताया कि कुक्कुट पालकों से लगातार संवाद स्थापित किया जा रहा है। तैयारियों के विषय में अवगत कराते हुए कहा कि बर्ड फ्लू रोग के नियन्त्रण के लिए तहसील स्तर पर चार त्वरित कार्यवाही दल का गठन किया गया है। इसमें उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। इसी प्रकार बर्ड फ्लू रोग नियन्त्रण के लिए जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 8765957965 है। कहा कि कोई भी व्यक्ति सुबह 6.00 बजे से रात से 10.00 बजे तक सम्पर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है।संबंधित विभागों का वाट्सएप ग्रुप बनाएंडीएम ने कहा कि यदि जनपद में बर्ड फ्लू रोग का मामला प्रकाश में आने की स्थिति में सूचनाओं का त्वरित आदान–प्रदान सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित विभागों का एक वॉट्सएप ग्रुप बना लें। जनपद के समस्त तहसील स्तरीय पशु चिकित्सालयों पर पर्याप्त मात्रा में पीपीई किट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जनपद में रैंडम आधार पर विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में सैंपल कलेक्शन का निर्देश दिया। कहा कि सभी अधिकारियों के कार्यो और उत्तरदायित्वों के विषय में अवगत करा दें। साथ ही कुक्कुट पालकों को निर्देशित कर दें कि यदि पशुपालन विभाग की टीम सैंपलिंग अथवा जांच के लिए जाती है, तो जरूरी सहयोग प्रदान करें। संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि बर्ड फ्लू के संदर्भ में कोई भी सूचना मिलने पर पशुधन विभाग को सूचित करें। बैठक में सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह, सीवीओ डॉ. एजाज अहमद, डिप्टी सीवीओ डॉ. विनोद विश्वकर्मा, एआरटीओ मनोज सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, एई पीडब्ल्यूडी करन सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रामजन्मोत्सव की अलौकिक बेला में पंचदिवसीय श्रीराम कथा का हुआ भव्य समापन

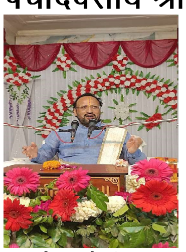

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पावन जन्मोत्सव की दिव्य वेला में अयोध्या धाम स्थित सिद्धपीठ सियाराम किला, झुनकी घाट पर आयोजित पंचदिवसीय श्रीराम कथा का भावपूर्ण समापन हुआ। यह आध्यात्मिक आयोजन पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के सान्निध्य एवं संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें दूर–दूर से आए श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।समापन सत्र में कथा व्यास डॉ. स्वामी प्रभंजनानंद शरण महाराज ने रामजन्मोत्सव के आध्यात्मिक महत्व का मार्मिक विवेचन करते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर समस्त तीर्थ अयोध्या में आकर विराजमान होते हैं। ऐसे में जो श्रद्धालु सरयू स्नान कर श्रीराम कथा का श्रवण करते हैं, उन्हें समस्त तीर्थों का पुण्यफल सहज ही प्राप्त हो जाता है।

स्वामी जी ने जीवनोपयोगी संदेश देते हुए कहा कि "निरंतरता एव सफलता का मूलमंत्र है।" अभ्यास से जड़ बुद्धि वाला व्यक्ति भी प्रज्ञावान बन सकता है, बशर्ते साधना में निरंतरता बनी रहे। उन्होंने आत्मतुलना से बचने की सीख देते हुए कहा कि व्यक्ति को कभी भी अपने भाग्य की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ईश्वर भाग्य की रूपरेखा अवश्य बनाते हैं, किंतु उसमें कर्मरूपी रंग मनुष्य स्वयं भरता है।स्वामी जी ने प्रसन्नता को जीवन का परम स्वर्ग बताते हुए कहा कि निराशा और उदासीनता ही वास्तविक नरक हैं। मनुष्य सुख की कामना तो करता है, किंतु उसके अनुरूप आचरण नहीं अपनाता। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिद्धि का आशय भौतिक वैभव नहीं, बल्कि परम तत्व की प्राप्ति है। सदाचरण एवं शक्ति का सदुपयोग ही व्यक्ति को पूजनीय बनाता है।कथा के दौरान भगवान श्रीराम जन्म प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं विद्वतापूर्ण वर्णन किया गया, जिसे श्रवण कर श्रोता भक्ति भाव में झूम उठे। समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत प्रहलाद शरण ने किया।

भारत–नेपाल सीमा स्तंभों के सर्वेक्षण पर बैठक

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा सर्वेक्षण टीम–3 की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रावस्ती अश्विनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच सीमा स्तंभों के सर्वेक्षण, पुनर्स्थापना और मरम्मत से संबंधित कार्यों की समीक्षा और समन्वय को मजबूत करना था। बैठक में भारत–नेपाल की संयुक्त सर्वेक्षण टीम–3 के तहत उत्तर प्रदेश के कई जिलों के अधिकारी शामिल हुए। इनमें बलरामपुर के जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन के साथ बहराइच, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज जनपदों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नेपाल की ओर से बर्दिया, बांके, दांग (रुपईडीहा क्षेत्र), कपिलवस्तु और नवलपरासी के मुख्य जिलाधिकारियों ने भी इस बैठक में भाग लिया। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 62वीं, 42वीं, 59वीं, 9वीं, 50वीं, 43वीं, 22वीं और 70वीं बटालियन के कमांडेंट भी उपस्थित थे। नेपाल के संबंधित पुलिस अधीक्षक भी बैठक में शामिल हुए। दोनों देशों के वरिष्ठ वन और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। श्रावस्ती के जिलाधिकारी ने बर्दिया के जिलाधिकारी और नेपाल टीम लीडर गोगन बहादुर हमल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बैठक के दौरान बताया गया कि भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा उत्तर प्रदेश के बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज जनपदों से होकर गुजरती है। इन क्षेत्रों में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्तंभों का पुनर्स्थापन, मरम्मत और सत्यापन उत्तर प्रदेश भू–स्थानिक निदेशालय, लखनऊ और संयुक्त सर्वेक्षण टीम द्वारा किया जाता है। शासन ने श्रावस्ती के जिलाधिकारी को टीम–3 का नोडल अधिकारी और टीम लीडर नियुक्त किया है।

पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप वीडियो किया वायरल

संवाददाता–महराजगंज। सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के शख्स ने स्थानीय पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर उसने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि उसने अपनी समस्या को लेकर बुधवार को थाने में तहरीर दी थी, लेकिन उसे ही अंदर बिठा लिया गया। कहा कि वह जान देने के लिए विवश हो जाएगा। हालांकि इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि हिन्दुस्तान नहीं करता। वायरल वीडियो में खुद को विन्द्रेश यादव बताते हुए युवक का कहना है कि जांच एव पूछताछ के लिए गुरुवार को दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया गया था।

आरोप लगाया कि बिना उसका पक्ष सुने उल्टे उसे ही थाने में बिठा लिया गया और धमकी दी गई। उसने मामले में एसपी से कार्रवाई की अपील की। इस मामले में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि यह सही है कि गुरुवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कचरा रखने का विवाद है। इस पर समझा–बुझाकर मामला शांत कर दिया था। कहा कि लगाया जा रहा आरोप बिल्कुल बेबुनियाद है।

दीक्षांत समारोह में मेडल से सम्मानित हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

संवाददाता–महराजगंज। चेहरी स्थित आईटीएम में डिप्लोमाधारी छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह के आयोजन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों को मेडल से सम्मानित किया गया। उनको भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षाविद तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्राचार्य आरपी मणि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपने ब्रांच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को संस्थान के चेयरमैन विनय श्रीवास्तव ने मेडल देकर सम्मानित किया। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. डीके सिंह ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें डिप्लोमा का प्रमाण पत्र प्रदान किया। कालेज टॉपर जुबेर अहमद को मुख्य अतिथि ने मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डिप्लोमा डॉ. डीके सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस मौके पर कार्यकारिणी निदेशक संतोष कुमार, डीन अमित कुमार मिश्र, संचालक नूरदीन खान, डॉ. एचएन डे, डॉ. भानुप्रिया, डॉ. राशिद अंसारी, विशेष शिक्षा के प्राचार्य अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. जोगेश्वर गुप्ता, एनएसडीसी प्रभारी जयंत मणि, डायरेक्ट ऑफ फाइनेंस अरविंद वर्मा व सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

देश में आज 2 खलनायक, पहला मुसलमान, दूसरा सवर्ण –बृजभूषण

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज सीट से भाजपा के पूर्व सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजभूषण शरण सिंह का रामनवमी पर ऐसा बयान सामने आया है जिसकी राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है। बृजभूषण शरण सिंह ने इस मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आज देश में दो ही खलनायक हैं, पहला मुसलमान और दूसरा सवर्ण। बृजभूषण का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर यूजर्स अपने–अपने ढंग से प्रतिक्रियाएं भी व्यक्त कर रहे हैं।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आज इस देश अंदर दो खलनायक हैं, मैं जानता हूं कि मेरी यह बात गहरी चोट करेगी। उन्होंने कार्यक्रम में एक पूर्व वक्ता का हवाला देते हुए कहा कि सारी समस्या केवल मुसलमानों की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कार्यक्रम बिहार की राजधानी पटना जिले के बाढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया गया था। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आज इस देश के अंदर दो खलनायक हैं, मैं जानता हूं कि मेरी यह बात गहरी चोट करेगी। पहला खलनायक मुसलमान और दूसरा खलनायक इस समय सवर्ण है। बृजभूषण शरण सिंह ने सवर्ण कहने के बाद कई बार इसे (सवर्ण, सवर्ण, सवर्ण, सवर्ण) दोहराया।

बृजभूषण शरण सिंह ने आगे कहा कि मुसलमान का साथ देने के लिए भाजपा के अलावा सारी पार्टियां खड़ी हैं लेकिन सवर्णों के साथ कौन सी पार्टी खड़ी है, हमें बता दीजिए। उन्होंने इशारों में यूजीसी बिल को लेकर भाजपा पर भी निशाना साधा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि देश में सभी समस्याएं तो मुस्लिमों की वजह से होती हैं तो ऐसे में उनके साथ कौन खड़ा है। भाजपा को छोड़कर तमाम दल उनके साथ खड़े हैं। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद लोगों से सवाल किया– 'सवर्णों के साथ कौन सा दल खड़ा है?' इस पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जवाब दिया–'कोई नहीं।' तब बृजभूषण शरण सिंह ने जोर देकर कहा– क्यों सवर्ण हो गए न खलनायक।

पूर्व सांसद ने एक शेर–'इतने गहरे घाव कहां से आए होंगे, लगता है तुमने भी दोस्त बनाए होंगे', पढ़ा और इसे सवर्णों की हालत से जोड़ते हतुए कहा कि हमें अपना देखना होगा ओर शर्म छोड़कर आगे बढ़ने का रास्ता बनाना होगा। हमें सभी को जोड़ना होगा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रामनवमी के मौके पर सभी लोगों से श्रीराम के दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने ऋषि भारद्वाज, आदिवासी, केवट, जंगल वासी और वनवासी सभी को जोड़ा था। उनका चरित्र हमें अपने साथ सभी को जोड़कर आगे बढ़ने की सलाह देता है। जो लोग भी हमारे साथ चलने को तैयार हैं, हमें उन्हें साथ लेना होगा।

अयोध्या में चल रहे यज्ञशाला में लगी भीषण आग, मंत्री समेत फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंचीं

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के माझा जमथरा स्थित सरयू किनारे चल रहे महायज्ञ के यज्ञ स्थल पर शनिवार दोपहर बाद अचानक आग लग गई। आग लगने से हड़कंप मच गया। मौके की नजाकत को देखते हुए फायर ब्रिगेड की टीम छह गाड़ियों के साथ आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंची। यज्ञाशाला में आग की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी समेत परिवहन मंत्री भी पहुंच गए। हालांकि हादसे में किसी जनहानि अथवा किसी के झुलसने की अभी कोई जानकारी नहीं मिली है।

बताया गया कि सरयू किनारे माझा जमथरा क्षेत्र में बाटी बाबा स्थान के निकट जीयर स्वामी की ओर से महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा था। जिसके लिए बांस बल्ली, घास फूस और कपड़े से भारी भरकम यज्ञ स्थल बनाया गया था। शुक्रवार को यज्ञ का समापन हुआ था और आज अन्य कार्यक्रम का आयोजन होना था। मौके पर फायर टेंडर के साथ सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। दोपहर बाद अचानक यज्ञ स्थल के पंडाल में धुएं का गुबार उठा और देखते देखते आग की लपटे विकराल होने लगी। कुछ ही देर में आग फैल गई और पंडाल धू–धू कर जलने लगा।अचानक लगी आग से अपरा तफरी मच गई और इधर–उधर भागने लगे।

मौके पर तैनात फायर दस्ते ने आज पर काबू पाने की कवायद शुरू की और जिला मुख्यालय तथा अयोध्या मेला ड्यूटी में तैनात फायर दस्ते के लगभग आधा दर्जन टेंडर को कर्मियों समेत मौके पर बुला लिया गया।

फायर दस्ते ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया है। मौके पर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, कई जनप्रतिनिधि, मंडल आयुक्त राजेश कुमार जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फूडे, एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर समेत पूरा पुलिस और प्रशासनिक अमला मौजूदहै। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। किसी जनहानि की सूचना नहीं है। आग लगने के कारण की जांच कराई जा रही है।

जीडीए संयुक्त कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष अभय कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री पवन त्रिपाठी बने

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण के संयुक्त कर्मचारी संगठन का चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर अभय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पद पर निर्मल सिंह और महामंत्री पद पर पवन त्रिपाठी चुने गए। विजयी पदाधिकारियों को प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने फूल–मालाएं पहनाकर बधाई दी। नई कार्यकारिणी 2025–26 के पदाधिकारियों के लिए हुए चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी अभय कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र श्रीवास्तव और अरूण सिंह मैदान में थे। मतदान में अभय कुमार श्रीवास्तव को सर्वाधिक 78 वोट प्राप्त हुए, उन्हें अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किया गया। जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को 30 और अरुण सिंह को 6 वोट ही मिले।

इसी तरह उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी निर्मल सिंह और दिलीप गुप्ता मुकाबले में थे। इस सीधे मुकाबले में निर्मल सिंह को 97 वोट पाकर जीत हासिल की, वहीं दिलीप गुप्ता को 19 वोट प्राप्त हुए। महामंत्री पद के लिए पवन त्रिपाठी एकल प्रत्याशी थे, इसलिए उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। मतदान में 114 मतदाताओं ने हिस्सा लिया।परिणाम घोषित होने के बाद प्राधिकरण के अधिकारियों उपाध्यक्ष आनंद वर्धन, सचिव पुष्पराज सिंह, ओएसडी प्रखर उत्तम समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री ने संगठन के सभी सदस्यों और मतदान में भाग लेने वाले कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अधर्म पर धर्म के विजय का संदेश देती है रामायण

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधर्म पर धर्म की विजय ही रामायण का सार है, राम धर्म का प्रतीक और रावण अधर्म का प्रतीक हैं। यह सद् विचार कथा व्यास स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में कथा को विश्राम देते हुये व्यक्त किया। उन्होंने पूरे नौ दिनों तक पूरे रामायण को सरस रूप से प्रस्तुत किया। कथा के अंतिम दिन उत्तर कांड पूरा कर रामराज्य की स्थापना तक करायी। महात्मा जी ने कहा कि उत्तर का अर्थ होता है अंतिम, उत्तीर्ण व मोक्ष, हमारे जीवन में जो पाप रूपी लंका नगरी में रावण का राज्य है उसका अंत कर देना है। राम–रावण की लड़ाई वास्तव में धर्म और अधर्म के बीच की लड़ाई है. राम–रावण का युद्ध तो त्रेता युग में हुआ। कथा में अध्यात्मिक रहस्य है। वास्तविक में व्यक्ति के अंदर धर्म और अधर्म के बीच संघर्ष चल रहा है. युद्ध में अपनी वानर, भालू की सेना लेकर भगवान ने लंका पर चढ़ाई की. अनेकों को राक्षसों का संहार किया। विशेषता यह कि श्रीराम ने जिसे मारा उसे तारने के दायित्व का भी निर्वहन किया।

महात्मा जी ने कहा कि रावण एक प्रवृत्ति है। उसके अंत के लिये श्रीराम की शरण लेना पड़ता है। जनम–जनम मुनि जतन कराही। अन्त राम कहि आवत नाहीं।। साधारण मनुष्य और परमात्मा में यही अन्तर है कि परमात्मा जिसे मारते हैं उसे तारते भी हैं। श्रीराम अति सहज है। निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा।। वे शरणागत की रक्षा करते हैं। रावण के अत्याचारों से त्रस्त होकर विभीषण जब श्रीराम के शरण में आये तो उन्होने विभीषण को गले लगा लिया। कहा कि श्रीराम कथा को जीवन में उतारकर रावण रूपी प्रवृत्तियों को नष्ट कर देने की आवश्यकता है।

हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ कथा ने विश्राम लिया। श्रीराम कथा के नौवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह कृष्ण दत्त दूबे डा. अभिषेक सिंह कालिका सिंह, हरिशंकर उपाध्याय जसवंत सिंह प्रवीन कुमार पूर्व जिला पंचायत बस्ती अनूप सिंह दयाराम हरीलाल गुप्ता ,नर बहादुर यादव, जितेन्द्र सिंह, राजेश सिंह, सुनील सिंह राधेश्याम , सत्यनरायन द्विवेदी, गोरखनाथ सोनी, अजय सिंह, नंदकिशोर पांडे गणेश तिवारी जी अरूण सिंह, अजय मिश्रा महिमा सिंह, विभा सिंह, इन्द्रपरी सिंह, सोनू सिंह, हर्षित, वर्धान, के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

इंस्टाग्राम पर परवान चढ़ा प्यार, चार बच्चों की मां प्रेमी संग हुई फरार

संवाददाता–गोरखपुर। कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के बाने ग्राम सभा के टोला जलारे की रहने वाली चार बच्चों की मां, इंस्टाग्राम पर हुए प्रेम संबंध के चलते अपने परिवार और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई। महिला का संपर्क मनीराम क्षेत्र के रहने वाले 28 वर्षीय युवक से इंस्टाग्राम के माध्यम से हुआ, था धीरे–धीरे प्रेम संबंध में बदल गया। करीब दस दिन पहले महिला अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। महिला के अचानक लापता होने से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच सूचना मिली कि महिला पीपीगंज क्षेत्र में अपने प्रेमी के साथ किराए के मकान में रह रही है। शनिवार को महिला के पति, बच्चे, भाई–बहन समेत अन्य परिजन उसे खोजते हुए वहां पहुंच गए। महिला को देखकर बच्चों ने मां से घर चलने की गुहार लगाई, लेकिन वह प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी रही। इस दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और मामला विवाद में बदल गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पीपीगंज पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों पक्षों को थाने ले आई। पीपीगंज थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने थाने में करीब दो घंटे तक चली पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास किया। इस दौरान बच्चों की भावुक अपील ने माहौल को और संवेदनशील बना दिया। बच्चे लगातार अपनी मां से घर लौटने की मिन्नत करते रहे।शुरुआत में महिला अपने फैसले पर अडिग रही, लेकिन परिजनों के समझाने–बुझाने और बच्चों की स्थिति को देखते हुए वह अपने बच्चों के साथ घर लौटने के लिए राजी हो गई। पुलिस के अनुसार महिला को समझाकर घर भेज दिया गया है। प्रेमी के संबंध में जांच–पड़ताल की जा रही है।

डीएम–एसपी ने मिशन शक्ति केंद्र का उद्घाटन किया

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से खलीलाबाद कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित मिशन शक्ति केंद्र और भोजनालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। अधिकारियों ने मेस की स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि पुलिसकर्मियों को पौष्टिक और स्वच्छ भोजन मिल सके। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र, मालखाना और अन्य अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों से बातचीत करते हुए, अधिकारियों ने निर्देश दिया कि थाने पर आने वाली पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाए।

इसके बाद, थाना परिसर में ग्राम प्रहरियों की बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने कहा कि ग्राम चौकीदार पुलिस और जनता के बीच सबसे सशक्त कड़ी होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली छोटी से छोटी गतिविधि और सूचना समय पर पुलिस तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे संभावित विवादों और अप्रिय घटनाओं को समय रहते रोका जा सकता है। ग्राम प्रहरियों को अंगवस्त्र और टॉर्च वितरित किए गए। इस निरीक्षण में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार, गोपनीय निरीक्षक अविनाश प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसी कड़ी में, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने थाना कोतवाली खलीलाबाद का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान थाने की साफ–सफाई, बैरक की स्वच्छता और गंदे शौचालयों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल साफ–सफाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर, कार्यालय, हवालात, मिशन शक्ति केंद्र, महिला और साइबर हेल्प डेस्क के अभिलेखों तथा अभिलेखागार का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र और महिला हेल्प डेस्क पर महिला संबंधी विवादों की स्थिति का भी जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने एफआईआर रजिस्टर, विवेचना से संबंधित अभिलेख, मालखाना रजिस्टर और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने विवेचनाओं को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने थाने पर नियुक्त अधिकारियों–कर्मचारियों से शस्त्रों के रखरखाव और परिचालन संबंधी अभ्यास कराया। इस दौरान, वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रमोद यादव को शस्त्र खोलने की बेहतरीन कार्रवाई के लिए 1100 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

स्वीकृत नक्शा के अभाव में नवनिर्मित भवन सील

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने शनिवार को डोमिनगढ़ में एक नवनिर्मित भवन को सील कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि रामहर्ष निषाद और उनके सहयोगियों ने बिना नक्शा पास कराए भवन का निर्माण किया है। सीलिंग की कार्रवाई विशेष कार्यधिकारी प्रखर उत्तम के नेतृत्व में सहायक अभियन्ता अनिल कुमार, अवर अभियन्ता शोभित कन्नौजिया, समस्त प्रवर्तन स्टाफ, प्रवर्तन दल एवं क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग से किया गया। प्रखर उत्तम ने बताया कि अवैध निर्माण के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़े की बैठकः एडीओ पंचायत ने दिए आवश्यक निर्देश, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर ब्लॉक क्षेत्र सभागार में संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़े को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। एडीओ पंचायत पंकज सिंह ने अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए और लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी।

यह बैठक शनिवार को अप्रैल माह में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों के संबंध में बुलाई गई थी। एडीओ पंचायत पंकज सिंह ने ग्राम विकास से संबंधित सभी विभागों के उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को शासनादेश के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने पंचायत विभाग के सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप से आगाह किया कि 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाए जा रहे इस अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित विभागों को गांवों, खासकर मलिन बस्तियों में जाकर पानी, हवा और अन्य माध्यमों से फैलने वाली बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

एडीओ पंचायत पंकज सिंह ने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम नालियों के गंदे पानी आदि में दवाओं का छिड़काव कराए। इस अवसर पर सचिव सर्वेश कुमार सिंह, ब्लॉक समन्वयक सुनील कुमार पाण्डेय, एकाउंटेंट प्रवीन कुमार यादव, सफाई कर्मचारी घनश्याम चौधरी, महेंद्र कुमार, रीशि कुमार, रीता देवी, इन्द्रवती देवी, मोहन राय, लालचन्द्र चौरसिया, राजेश गुप्ता, बृहस्पाति तिवारी, सुनीता, सुशील कुमार, राजेश कुमार चौधरी, ध्रुवचन्द्र कनौजिया, देवेन्द्र कुमार कनौजिया, दयाशंकर सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

मोबाइल टावर पर चढ़ा युवकः प्रेमिका को बुलाने की जिद करता रहा, 4 घंटे चला हाई वोल्टेज ड्रामा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के दुफेड़िया गांव में 28 मार्च शनिवार सुबह प्रेम प्रसंग के विवाद में एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। करीब चार घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की सूझबूझ से युवक को सकुशल नीचे उतार लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। जानकारी के अनुसार, दुफेड़िया गांव निवासी जितेंद्र पुत्र कृष्ण वर्मा का एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लगभग डेढ़ महीने पहले जितेंद्र युवती को लेकर मुंबई चला गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और परिजन उन्हें वापस गांव ले आए। इसके बाद युवक को घर भेज दिया गया था।

बताया जा रहा है कि समझौते के बावजूद युवक अपनी प्रेमिका से अलगाव बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। इसी मानसिक स्थिति में शनिवार, 28 मार्च 2026 की सुबह करीब 5 बजे वह गांव के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर पर चढ़ने के बाद युवक ने खुद अपने मोबाइल फोन से डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, जिससे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना इटवा पुलिस को अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश और एसडीएम इटवा कुणाल भी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया।

टावर की ऊंचाई और युवक की जिद को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती थी। युवक लगातार अपनी प्रेमिका को मुंबई से बुलाने की मांग करता रहा और नीचे उतरने से इनकार करता रहा। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिससे स्थिति और भी संवेदनशील हो गई।

करीब चार घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के दौरान पुलिस व प्रशासन के अधिकारी बारी–बारी से युवक को समझाते रहे। काफी समझाने–बुझाने, धैर्य और रणनीति के बाद युवक मान गया और सुरक्षित नीचे उतर आया। युवक के नीचे उतरते ही पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर थाने भेज दिया। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अपहरण और हत्या के दो आरोपियों को फांसी की सजाः अदालत ने सुनाया फैसला, 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के थाना पथरा बाजार क्षेत्र में वर्ष 2023 के एक अपहरण और हत्या मामले में अदालत ने दो दोषियों को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी पर 20 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह निर्णय साक्ष्यों, पुलिस विवेचना और अभियोजन पक्ष की पैरवी के आधार पर दिया गया।

30 अप्रैल 2023 को थाना पथरा बाजार में मोहम्मद उमर पुत्र मोहम्मद अजीज, निवासी ग्राम खोरिया रघुवीर, के अपहरण की शिकायत दर्ज की गई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान बस्ती जनपद के थाना कलवारी अंतर्गत ग्राम कलवारी एहतमाली में एक अज्ञात शव मिला। पुलिस और परिजनों ने शव की पहचान मोहम्मद उमर के रूप में की, जिसके बाद मामले में हत्या की धारा 302 जोड़ी गई।

थाना पथरा बाजार पुलिस ने जांच के बाद दो अभियुक्तोंनजीरू उर्फ नजीर पुत्र भीखुल्लाह और अब्दुल्लाह पुत्र नबीजान, दोनों निवासी ग्राम खोरिया रघुवीर सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया। पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

मामले की सुनवाई 28 मार्च को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बांसी, श्री सत्य प्रकाश आर्य की अदालत में हुई। न्यायालय ने गवाहों के बयानों, प्रस्तुत साक्ष्यों और परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद दोनों अभियुक्तों को दोषी पाया। इसके उपरांत उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।

अभियोजन पक्ष की ओर से अधिवक्ता संतोष कुमार मिश्रा ने पैरवी की। न्यायालय पैरोकार के रूप में आरक्षी युधिष्ठिर यादव ने सहयोग किया। इस फैसले से यह संदेश गया है कि कानून जघन्य अपराधों के प्रति गंभीर है और न्यायालय ऐसे मामलों में उचित दंड देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यालय सिविल जज (जू०डि०) जे०एम, बांसी, सिद्धार्थनगर।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय सिविल जज (जु०डि०) जे०एम०, बासी, सिद्धार्थनगर के परिसर में स्थित (कैन्टीन (चार जलपान), पान की दुकान तथा साइकिल वाहन स्टैण्ड) की नीलामी वित्तीय वर्ष 2026–2027 के लिए दिनांक–09–04–2026 को समय करीब 04:00 बजे शाम को की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति समय से उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है

क्रम संख्या	दुकानो का विवरण	न्यूनतम बोली की धनराशि
1	कैन्टीन चाय(जलपान)	165000 रूपये
2	पान की दुकान	21961.5 रूपये
3	साईकिल / वाहन स्टैण्ड	40198.4 रूपये

बोली की न्यूनतम धनराशि का 10% अथवा 2000 रु०, जो ज्यादा हो उसको जमानत धनराशि के रूप में जमा करनी होगी। जमानत धनराशि बोली लगाने के पूर्व बोली लगाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा जमा करनी होगी। बोली जिनके पक्ष में समाप्त होगी उसकी जमानत धनराशि को उसके द्वारा लिए गए ठेके के धनराशि में समायोजित कर लिया जायेगा तथा अन्य व्यक्तियों की जमानत धनराशि उन्हें वापस कर दिया जायेगा।

दिनांक–25.03.2026

आज्ञा से
प्रभारी अधिकारी नजारत अनुभाग,
बाह्य न्यायालय बांसी, सिद्धार्थनगर

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–125 / 2024
सुनीता देवी आदि
बनाम
पिल्लू आदि

1 / 1. शान्ती देवी पत्नी जमुना प्रसाद उम्र करीब 60 वर्ष निवासी ग्राम बनकटिया तप्पा रूधौली पोस्ट बनकटिया परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–04–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–1007 / 23
क0 वाद सं0–C20231700001007
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामशब्द चौधरी
बनाम
विजय कुमार आदि

1. सत्यम उम्र 24 वर्ष 2. संदीप उम्र 22 पुत्रगण स्व0 विजय कुमार साकिनान अमरूतहिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. नट्टू पुत्र स्व0 कृपाल 4. चुन्ने पुत्र रामआसरे 5. मतलू पुत्र स्व0 विन्देश्वरी 6. गब्बर पुत्र स्व0 विन्देश्वरी 7. विलास पुत्र स्व0 लल्लन 8. सुनील पुत्र स्व0 लल्लन 9. अम्बू पुत्र सुखराज 10. सुरजा देवी पत्नी स्व0 लल्लन 11. ग्राम प्रधान ग्राम सभा खीरीघाट साकिनान खीरीघाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 12. उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती सदर 13. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 07–04–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 04 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 03 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कायमी नं0– / 2025
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार भानपुर जिला–बस्ती
देवप्रभाकर
बनाम
राजपती

ग्राम लेदवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

1. राजनरायन पुत्र सीताराम 2. हरिनरायन पुत्र सीताराम 3. अमरनाथ पुत्र सीताराम 3. श्रवण कुमार पुत्र सीताराम निवासीगण मौजा लेदवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 26 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com